भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 1 सितम्बर, 2023 को "हिन्दी चेतना मास समारोह" का उदघाटन किया गया

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में **"हिन्दी चेतना मास समारोह"** का आयोजन 1 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2023 तक किया जा रहा है। इसी सदर्भ में **"हिन्दी चेतना मास समारोह"** का उदघाटन 1 सितम्बर, 2023 को ब्यूरो के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती बी. के. हेमा, हिंदी अधिकारी, इस्टरैक (ISRO-ISTRAC), बेंगलूरु, ब्यूरो के विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संग्रहण और लक्षणीकरण, डॉ. सुनील जोशी, विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संरक्षण और उपयोगिता, विभागाध्यक्ष- जीनोमिक संसाधन डॉ. टी. वेंकटेशन और प्रशासनिक अधिकारी, श्री जे. मैथ्यु ने दीप प्रज्वलित करके **"हिन्दी चेतना मास समारोह"** कार्यक्रम का उदघाटन किया।

उद्घाटन के उपरांत "हिंदी दिवस" के अवसर पर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार, श्री नरेंद्र सिंह तोमर तथा भा.कृ.अनु.प. के माननीय सचिव एवं महानिदेशक, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. हिमांशु पाठक की अपील को क्रमशः श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी और डॉ. ऋचा वार्ष्णेय, वैज्ञानिक ने सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों को पढ़कर सुनाया।

ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने अपने सम्बोधन में समस्त कर्मचारियों को **"हिन्दी चेतना मास समारोह"** के अवसर पर शुभकामनाएँ दी और कहा कि देश को एकता की डोर में बाँधने का काम अगर कोई एक भाषा कर सकती है तो वो देश में सर्वाधिक बोले जाने वाली हिंदी भाषा है। निदेशक महोदय ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वन की महत्ता पर बल दिया। निदेशक महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि अनुवाद करते समय ऐसे शब्दों का चयन करना चाहिए जो कि आम जनता की प्रचलन या बोलचाल और उनको समझ में आने वाली भाषा हो। निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने कहा कि हमारे ब्यूरो में राजभाषा हिंदी का समुचित और व्यापक रूप से शोध कार्यों में कार्य किया जा रहा है। निदेशक महोदय ने कहा कि इसी माह 12 सितम्बर, 2023 को ब्यूरो में वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन हिंदी में किया जा रहा है और इस माह में जितने भी कार्यक्रम आयोजित होंगे वे सभी हिंदी में ही आयोजित किये जाएंगे।

"हिन्दी चेतना मास समारोह" कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती बी. के. हेमा, ने अपने व्याख्यान में हिंदी राजभाषा की भूमिका और उसके महत्वपूर्ण योगदानों की रोचक जानकारी विस्तृत रूप से प्रतिभागियों को दी। उन्होंने कहा कि आज जब भारत देश "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है उस समय हिन्दी चेतना मास मनाने का दायित्व और भी बढ़ जाता है।

इसके बाद तात्कालिक संवाद/भाषण एवं वाक्य बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो के अधिकारियों/ कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

"हिन्दी चेतना मास समारोह" के उदघाटन के दौरान लिए गए कुछ फोटो -

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "हिन्दी चेतना मास समारोह" आयोजन का उद्घाटन

इस समारोह का संचालन श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया तथा नाज़िआ अंजुम, सहायक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।